भा.क.नि.
CCI

भारतीय कपास निगम लिमिटेड,

(भारत सरकार का उपक्रम)
कपास भवन, प्लॉट नं.3 ए, सेक्टर 10, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई-400 614
टेलीफोन नं. 27579217 फैक्स नं. 27576030, 27579219
ई-मेल: headoffice@cotcorp.com

प्रेस विज्ञप्ति

सीसीआई के कार्य-निष्पादन की संक्षिप्त विशिष्टताएँ
भारतीय कपास निगम की 40 वीं वार्षिक सामान्य बैठक
27 अगस्त, 2010 को मुंबई में आयोजित हुई ।

कपास मौसम 2009-10 पुन: एक बार चुनौतियों और अवसरों का वर्ष रहा है । निगम सौंपी गयी भूमिका के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य कार्यसंचालन द्वारा देश के कपास किसानों की सहायता करने और कताई क्षेत्र में उपभोक्ता मिलों को प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर गुणवत्तावाली कपास की आपूर्ति करने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रहा है ।

वर्ष 2009-10 में कपास के अधीन क्षेत्र रिकार्ड स्तर पर पहुँचा

पिछले वर्ष में अन्य प्रतिस्पर्धी उपजों की तुलना में कपास के लिए अच्छे मूल्यों की प्राप्ति के कारण, कपास किसान वर्ष 2009-10 में कपास के अधीन क्षेत्र बढ़ाने के लिए बहुत उत्साहित थे । इसके फलस्वरूप 2009-10 में कपास के अधीन क्षेत्र 103.29 लाख हैक्टर के रिकार्ड स्तर तक पहुँच गया जबकि पिछले वर्ष यह 94.06 लाख हैक्टर था ।

भारत ने विश्व में दूसरे बड़े कपास उत्पादक के रूप में अपनी स्थिति बनाये रखी

बढ़े हुए क्षेत्रफल और बीटी उपज के आगमन के कारण देश में कपास मौसम 2009-10 के दौरान कपास उत्पादन 295.00 लाख गॉठें रहा जबकि पिछले वर्ष यह 290.00 लाख गॉठें था । इस प्रकार भारत ने विश्व में चीन के बाद दूसरे बड़े कपास उत्पादक देश के रूप में अपनी स्थिति बनाये रखी ।

कपास उत्पादकता में गिरावट

प्रतिकूल कृषि जलवायु स्थितियों, नहरों के पानी की अपर्याप्त उपलब्धता आदि के कारण पिछले दो वर्षों से कपास उत्पादकता में गिरावट आ रही है । कपास मौसम 2009-10 में कपास उत्पादकता 486 कि.ग्रा./है. थी, जबकि पिछले वर्ष यह 524 कि.ग्रा./है. रही ।

देशी कपास उपभोग में 9% की वृद्धि

विश्वीय अर्थ-व्यवस्था में सुधार के साथ कपास मौसम 2009-10 के दौरान कच्ची कपास के लिए तथा यार्न, फैब्रिक्स और परिधान जैसे तैयार उत्पादों के लिए मांग में देशी और विश्व स्तर दोनों में सुधार हुआ है । उत्पाद क्षेत्र से बाहर उत्पादन में सुधार, मांग में पुन: सुधार के साथ-साथ उल्लेखनीय परिवर्धन/आधुनिकीकरण उपायों के कारण आया है । इसके फलस्वरूप वर्ष 2009-10 में देशी कपास उपभोग 9% की वृद्धि के साथ 250.00 लाख गॉंठों तक पहुँच गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 229.00 लाख गॉंठें था ।

देश से कपास निर्यात

कपास की अत्यधिक उपलब्धता के बावजूद वर्ष 2009-10 में, अंतर्राष्ट्रीय कपास मूल्य देशी मूल्यों से ऊँचे रहे और भारतीय कपास के लिए पड़ोसी देशों से विशेषत: चीन, पाकिस्तान, बंगला देश आदि से अच्छी मांग थी । इसके फलस्वरूप वर्ष 2009-10 में भारत से कपास निर्यात 83.00 लाख गॉंठें रहा, जबकि पिछले वर्ष 35.00 लाख गॉंठें था ।

कपास का आयात

पिछले वर्ष की तरह देश से कपास का आयात पुन: एक बार अत्यधिक लंबे तंतु की कपास की कम आपूर्ति के कारण 7.00 लाख गॉंठो तक सीमित रहा जबकि पिछले वर्ष यह 10.00 लाख गॉंठें था ।

भारतीय कपास निगम के कार्य-कलाप

न्यूनतम समर्थन मूल्य कार्य-संचालन

विगत कुछ वर्षों से, भारतीय कपास निगम लगातार न्यूनतम समर्थन मूल्य कार्य-कलाप का संचालन कर रहा है, तथापि कपास मौसम 2009-10 में न्यूनतम समर्थन मूल्य कार्य की गहनता कम थी, क्योंकि मुख्यत: पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के उत्तरी राज्यों में और उसके बाद आंध्र प्रदेश में लगभग एक माह तक कपास के मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य के स्तर पर बने रहे । निगम ने न्यूनतम समर्थन मूल्य कार्य के अंतर्गत 30.60 लाख क्विंटल कपास खरीदी, जो 5.80 लाख गॉंठों के समकक्ष है ।

वाणिज्यिक कार्य-कलाप

कपास किसानों को उनकी उपज के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्य प्राप्त करवाने में सहायता देने तथा अपनी नियमित खरीददार मिलों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए निगम ने कपास मौसम 2009-10 में वाणिज्यिक कार्य-कलाप भी किया है और 8.51 लाख क्विंटल कपास खरीदी, जो 1.78 लाख गॉंठों के समकक्ष है ।

8396.51 करोड़ रू. का रिकार्ड बिक्री टर्न-ओवर

आलोच्य वर्ष के दौरान निगम ने उपभोक्ता मिलों को सीधे गुणवत्तावाली कपास की आपूर्ति कराते हुए, व्यावहारिक बिक्री से पहले और बाद की बेहतर सेवायें ग्राहकों को उपलब्ध कराते हुए व्यावहारिक बिक्री की नीति के अनुपालन द्वारा पिछले वर्ष के 4974.84 करोड़ रूपये बिक्री टर्नओवर के विरूद्ध इस वर्ष 8396.51 करोड़ रूपये का रिकार्ड बिक्री टर्न-ओवर प्राप्त किया है ।

डिपो बिक्री योजना

वर्ष 2009-10 में वस्त्रोद्योग मिलों, विशेषकर छोटी और मध्यम स्तर की मिलों को लाभ पहुँचाने के लिए, निगम ने तमिलनाडु सरकार से 4% वैट की छूट प्राप्त करने के बाद तमिलनाडु में कोयम्बतूर और राजपालयम में डिपो बिक्री योजना आरंभ की है । मिलों को गुणवत्तावाली कपास की सहज उपलब्धता कराना, बड़े स्टॉक रखने की आवश्यकता से बचाना, समय, ब्याज और रखरखाव प्रभार की बचत कराना, मिलों में पूर्व जाँच द्वारा गुणवत्ता वाली कपास के चयन के लाभ और शीघ्र भुगतान के लिए नकद छूट की प्राप्ति जैसे विभिन्न लाभ देने वाले उपायों द्वारा निगम को निकट भविष्य में इस योजना के और गति पकड़ने की आशा है ।

लाभप्रदता

वित्तीय वर्ष 2009-10 के दौरान निगम ने पिछले वित्तीय वर्ष में 67.04 करोड़ रू. (कर के बाद) के विरूद्ध 8.79 करोड़ रू. (कर के बाद) का शुद्ध लाभ अर्जित किया । लाभप्रदता में गिरावट मुख्यत: आलोच्य वर्ष के दौरान घटे हुए खरीद कार्य-कलाप के कारण है ।

भारत सरकार को लाभांश का निरंतर भुगतान

निगम ने प्रदत्त शेयर पूँजी पर 20% की दर से कुल 5.83 करोड़ रूपये का लाभांश (लाभांश पर कर सहित) घोषित किया जबकि पिछले वर्ष यह 15.69 करोड़ रूपये (लाभांश पर कर सहित) था ।

टीएमसी के मिनी मिशन-III और IV का कार्यान्वयन

निगम कपास प्रौद्योगिकी मिशन (टीएमसी)के मिनी मिशन-III और IV के लिए कार्यान्वयन एजेन्सी का कार्य करता रहा है । 11 वीं योजना में 250 मार्केट यार्ड का लक्ष्य कपास में संदूषण को न्यूनतम करने के लिए विकास हेतु अनुमोदित किया गया ताकि कपास उत्पादकों को उनके कपास का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके । इन 250 मार्केट यार्ड के लिए कुल परियोजना व्यय 476.10 करोड़ रू. है, जिसमें टीएमसी की सहायता 250.39 करोड़ रू. है । अनुमोदित इन 250 परियोजनाओं में से 31 मार्च, 2010 तक 242 परियोजना का

कार्य पूरा हो चुका है । उसी प्रकार, 1000 जिनिंग एवं प्रेसिंग इकाईयों के लक्ष्य के विरूद्ध टीएमसी ने अब तक 1011 जिनिंग एवं प्रेसिंग फैक्टरियों के आधुनिकीकरण का कार्य प्रारंभ किया है । इनमें से 885 जिनिंग एवं प्रेसिंग फैक्टरियों का आधुनिकीकरण पूरा हो चुका है । इन फैक्टरियों के आधुनिकीकरण के लिए कुल परिव्यय 1427.61 करोड़ रू. है, जिसमें से टीएमसी की सहायता 224.26 करोड़ रू. थी ।

उपरोक्त के परिणामस्वरूप, देशी कताई उद्योग को बेहतर संसाधित और संदूषण-मुक्त कपास मिलेगा । भारतीय कपास अब अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता स्तर के समकक्ष संसाधित है और अन्य निर्यात देशों के कपास के समकक्ष विश्व में स्वीकृत है ।

कपास प्रौद्योगिकी मिशन के मिनी मिशन-II के अंतर्गत फ्रन्ट लाईन डेमोन्स्ट्रेशन

कपास मौसम 2009-10 में कपास प्रौद्योगिकी मिशन के मिनी मिशन-II के अधीन एफएलडी के कार्यान्वयन के लिए निगम ने एक नोडल एजेन्सी के रूप में उत्पादन प्रौद्योगिकी पर 4070 एफएलडी और आयपीएम प्रौद्योगिकी पर 1 एफएलडी का आयोजन प्राय: सभी बड़े कपास उत्पादक राज्यों में अधिकांशत: सीसीआई के सभी शाखाओं, राज्य कृषि विश्वविद्यालय और राज्य कृषि विभाग को शामिल करते हुए सफलतापूर्वक आयोजन किया ।

सघनित कपास खेती (संविदा खेती) :

निगम ने वर्ष 2009-10 में सघनित कपास खेती (संविदा खेती) के संकल्प को प्रोत्साहित और लोकप्रिय करने के अपने प्रयत्न जारी रखें । निगम ने अपनी शाखाओं द्वारा संविदा खेती के अंतर्गत सभी कपास उत्पादक राज्यों से परियोजना का विस्तार करते हुए 47,734 हैक्टर क्षेत्र लिया ।

****

भा.क.नि.
CCI

भारतीय कपास निगम लिमिटेड
THE COTTON CORPORATION OF INDIA LTD.

(भारत सरकारका उपक्रम /A Government of India Undertaking)
प्रशासकीय्य एवम पंजीकृत कार्यालय: कपास भवन, प्लॉट नं.3-ए, सेक्टर 10, सीबीडी, बेलापूर, नवी मुंबई 400 614
Admn & Regd. Office: Kapas Bhavan, Plot No.3-A, Sector 10, CBD, Belapur, NAVI MUMBAI 400 614
दूरभाष/Phone:27579217,फैक्स/Fax:27576030/27579219,ई-मेल/email:headoffice@cotcorp.com,वेबसाईट/website: www.cotcorp.gov.in

PRESS RELEASE

BRIEF HIGHLIGHTS OF CCI'S PERFORMANCE 40TH ANNUAL GENERAL MEETING OF THE COTTON CORPORATION OF INDIA LTD (CCI) HELD ON 27TH AUGUST 2010 AT MUMBAI

The cotton season 2009-10 had once again been a year of challenges and opportunities. The Corporation, as per the role assigned, had successfully come out to fulfill its objective of helping the cotton farmers of the country through MSP operations and supplying quality cotton to the user mills in the spinning sector at competitive prices.

Acreage under cotton reached at record level in 2009-10

Due to receipt of good prices for cotton as compared to other competing crops in the previous year, the cotton farmers were enthusiastic in increasing the acreage under cotton in 2009-10. As a result, the acreage under cotton in 2009-10 had reached a record level of 103.29 lakh hectares as compared to 94.06 lakh hectares in previous year.

India retained the position as the second highest cotton producer in the world

With increased acreage and advent of Bt cultivation, the cotton production in the country in cotton season 2009-10 had been at 295.00 lakh bales as compared to 290.00 lakh bales in the previous year. Thus, India retained its position as the second largest cotton producing country in the world, after China.

Cotton productivity declined

With unfavourable agro-climatic conditions, inadequate availability of canal water etc., the cotton productivity since last two years has been declining. In cotton season 2009-10, the cotton productivity had been 486 kgs/ha as against 524 kgs/ha in previous year.

Domestic cotton consumption increased by 9%

With improvement in the global economy, the demand for raw cotton and for finished products like yarn, fabrics and garments in cotton season 2009-10 has improved domestic ally and world over. Improvement in production across product lines has

been supported by revival in the demand as well as significant additions/modernization initiatives. As a result, the domestic cotton consumption in 2009-10 had increased substantially by around 9% at 250.00 lakh bales as against 229.00 lakh bales in the previous year.

Cotton exports from the country

Besides abundant availability of cotton, the international cotton prices in 2009-10 had been higher than domestic prices and there was good demand for Indian cotton, especially from neighbouring countries like China, Pakistan, Bangla Desh etc. As a result, cotton exports from India in 2009-10 had been at 83.00 lakh bales as against 35.00 lakh bales in the previous year.

Imports of cotton

Like previous year, cotton imports into the country had once again been limited to short supply in ELS cottons at 7.00 lakh bales as against 10.00 lakh bales during previous year.

CCI operations

MSP operations

Over the years, CCI has been continuously undertaking MSP operations. However, in cotton season 2009-10, the intensity of MSP operations was lower as the prevailing prices of kapas had ruled at MSP level for span of around one month mainly in Northern States of Punjab, Haryana and Rajasthan followed by Andhra Pradesh. The Corporation had purchased 30.60 lakh quintals of kapas equivalent to 5.80 lakh bales under MSP operations.

Commercial operations

With a view to enable the cotton farmers to realize competitive prices for their produce as also to meet the requirement of its regular buyer-mills, the Corporation, in cotton season 2009-10 had also taken up commercial operations and had purchased 8.51 lakh quintals of kapas equivalent to 1.78 lakh bales.

Record sales turn-over of Rs.8396.51 crores

During the year under review the Corporation had achieved a record sales turn-over of Rs.8396.51 crores as against Rs.4974.84 crores in the previous year by pursuing the policy of pragmatic sales directly to consuming mills by supplying quality cotton and by providing better pre-and-post sales services to the customers.

Depot Sales Scheme

In the year 2009-10, to benefit the textile mills, particularly small and medium mills, the Corporation, on getting exemption of 4% VAT from the Government of Tamil Nadu has started Depot Sales Scheme in Coimbatore and Rajapalayam in Tamil Nadu. With various benefits such as availability of supply of quality cotton at the doorsteps of the mills, no need to maintain large inventories, saving on account of lead time, interest and carrying charges, advantage of selection of quality cotton by pre-testing in the mills and availment of cash discount for early payment, the Corporation is hopeful to get momentum to the scheme in the near future.

Profitability

During the financial year 2009-10, the Corporation has earned a net profit of Rs.8.79 crores (after tax) as against the profit of Rs.67.04 crores (after tax) in the previous financial year. The decline in profitability has been mainly due to lower procurement operations during the year under review.

Continued payment of dividend to Government of India

The Corporation has declared dividend @ 20% on paid up share capital aggregating to Rs.5.83 crores (including tax on dividend) as against Rs.15.69 crores (including tax on dividend) during the last year.

Implementation of Mini Mission III and IV of TMC

The Corporation continued to be the implementing agency for Mini Mission III and IV of the Technology Mission on Cotton (TMC). The target of 250 market yards upto XIth plan had been approved for development to minimize contamination in kapas so as to enable the cotton growers to get better price for their cotton. The total outlay for this 250 market yards is Rs.476.10 crores with TMC assistance of Rs.250.39 crores. Out of these 250 projects approved, there are 242 projects, which have been completed upto 31st March 2010. Similarly, against the target of 1000 G&P units, TMC has so far taken up 1011 G&P factories for modernization. Out of this 885 G&P factories have been completed for modernization. The total outlay for modernization of these factories is Rs.1427.61 crores with TMC assistance of Rs.224.26 crores.

As a result of above, the domestic spinning industry is able to get better processed and contamination free cotton. The Indian cotton is now processed equivalent of

international quality standards and is accepted world over at par with cotton of other exporting countries.

Front Line Demonstrations under MM-II of TMC

As the Nodal agency for implementing the Front Line Demonstrations under MM-II of the Technology Mission on Cotton, in cotton season 2009-10, the Corporation had successfully organized 4070 FLDs on Production Technology and 1 FLDs on IPM Technology in all the major cotton growing States during 2009-10 through almost all CCI Branches by associating State Agricultural Universities and State Agricultural Departments.

Integrated Cotton Cultivation (Contract Farming)

Corporation continued its efforts to promote and popularize the concept of Integrated Cotton Cultivation (Contract Farming) in 2009-10. The Corporation has extended the project in all the cotton growing States bringing an area of 47,734 hectares under contract farming through its Branches.

D:\stat d drive\BDM\09-10\AGM Press release.doc